अब तक

योजना में प्रदेशभर में 518.34 लाख औषधीय पौधे निःशुल्क उपलब्ध करवाये गये।

गिलोय

अश्वगंधा

कालमेघ

तुलसी

अधिक जानकारी के लिए 181 पर कॉल करें या
https://jankalyan.rajasthan.gov.in पर विजिट करें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

#मॉडल_स्टेट_राजस्थान

4 वर्ष

जनसेवा, सबका सम्मान
आगे बढ़ता राजस्थान
सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म

घर-घर औषधि योजना

स्टेट फ्लैगशिप कार्यक्रम

परिचय

प्रदेशवासियों की स्वास्थ्य रक्षा तथा औषधीय पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से राज्य सरकार ने घर-घर औषधि योजना शुरू की। प्रदेश भर में घर-घर औषधि योजना के तहत तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा और गिलोय के पौधे घरों तक पहुंचाए गए। ये पौधे पारंपरिक रूप से स्वास्थ्य पूरक और हर्बल दवाओं में उपयोग किए जाते हैं।

निरोगी राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए भावी पीढ़ी को भी इन औषधीय पौधों के महत्व और उपयोग की जानकारी मिलना आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2021-22 के बजट में घर-घर औषधि योजना' प्रारम्भ करने की घोषणा की गई थी।

वर्ष 2022-23 में इस योजना के तहत एक परिवार को अधिकतम 8 पौधे दिए जा रहे हैं। साथ ही अब परिवार चार प्रकार (गिलोय, तुलसी, अश्वगंधा और कालमेघ) के दो-दो पौधों के स्थान पर किन्हीं भी दो प्रकार के चार-चार पौधे भी ले सकता है। पौधे का वितरण यथासंभव वन विभाग की नर्सरियों से किया जा रहा है।

लाभ

घर-घर औषधि योजना को लागू करने वाला राजस्थान संभवतः पहला प्रदेश है, जिसने औषधीय पौधों के प्रति जन चेतना जागृत करने के लिए वृहद स्तर पर ऐसी अनूठी योजना लागू की है। यह भावी पीढ़ी की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है। घर-घर औषधि योजना में चारों प्रजातियों के पौधों तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा और कालमेघ को 11 हजार से अधिक रिसर्च पेपर और 350 क्लीनिकल ट्रायल्स पर आधारित प्रमाणित ज्ञान के बाद शामिल किया गया है। जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ये चार औषधीय पौधे सर्वोत्तम हैं। संचारी और गैर संचारी रोगों के खिलाफ तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा और कालमेघ का उपयोग बेहद कारगर है।